दीर्घ स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों के हानिकारक प्रभाव

- कैंसर कारक होते हैं
- प्रजनन सफलता में कमी लाता है
- शारीरिक प्रतिरक्षा प्रणाली बाधित करता है
- केंद्रीय स्नायु तंत्र को नुकसान पहुँचाता है
- जन्म दोष उत्पन्न करता है
- अंतस्रावी ग्रंथी के कार्यों को बाधित करता है

समाधान

दीर्घ स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों (POPs) से होनेवाली जोखिमों को कम करना आसान काम नहीं है, लेकिन कुछ किया जाना जरूरी है । इस हेतु यह जरूरी है की इन रसायनों के विकल्प तलाश करें। POPs के बदले उपयोग में लाए जानेवाले पदार्थों के उपयोग को स्वयंसेवी संस्था के कार्यक्रमों द्वारा, जन जागरूकता अभियान, आर्थिक प्रोत्साहन, POPs पर प्रतिबंधों जैसे माध्यम से प्रोत्साहित किया जा सकता है। अवांछित और अप्रचलित भंडार की पहचान की जानी चाहिए तथा उनका सुरक्षित रूप से निर्मूलन किया जाना चाहिए। कुछ विशेष मामलों में, जैसे PCBs युक्त उपकरणों एवं विद्युत ट्रांसफार्मर और ड्रम का उपयोग केवल तब तक जारी रखा जाना चाहिए जब तक उनका पूर्णतः निर्मूलन ना किया जाए। अनजाने में उत्पादित होनेवाले दीर्घ स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों (POPs) को स्वच्छ प्रौद्योगिकियों , प्रक्रिया संशोधनों आदि से कम किया जा सकता है। हर देश की जलवायु और आर्थिक सामाजिक स्थिति के हिसाब से इसका समाधान भिन्न हो सकता है। भारत में डीडीटी, मलेरिया वाले मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। इस हेतु पहले सुरक्षित और कारगर विकल्प विकसित किया जाना चाहिए जिससे डीडीटी चरणबद्ध तरीके से प्रयोग से बाहर हो सके। इस हेतु विकल्प, उत्पादन प्रक्रियाओं की समीक्षा के लिए, प्रयोक्ताओं और आम जनता के साथ सरकारी संगठनों उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों, शिक्षाविदों ने जानकारी साझा करनी चाहिए साथ ही स्वैच्छिक कार्यक्रमों में भी भाग लेना चाहिए।

वैश्विक पर्यावरणीय स्वास्थ्य में सुधार लाने और दीर्घ स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों से मुक्त होने के लिए आओ हम सब एकत्र आऐं।

हमें संपर्क करें

निदेशक,
राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान
नेहरू मार्ग, नागपुर 440 020, भारत
दुरभाष : 0712-2249885-88, फॅक्स : 0712-2249900
ईमेल : director@neeri.res.in
वेबसाइट: http://www.neeri.res.in
(अनुवाद कार्य – हिन्दी अनुवादक, राजभाषा एकक)

दीर्घ स्थायी कार्बनिक प्रदूषक (POPs)

स्टॉकहोम समझौता

मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा हेतु

दीर्घ स्थायी कार्बनिक प्रदूषक

राष्ट्रीय पर्यावरण
अभियांत्रिकी
संशोधन संस्था, नेहरू मार्ग,
नागपुर 440 020, भारत

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय,
नई दिल्ली, भारत

संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संस्थान
[UNIDO]